वुमेन आब्जर्वर

पाक्षिक

वुमेन ऑब्जर्वर
पाक्षिक
8/141, मालवीय नगर,
जयपुर-302017
मोबाइल - 08559873580
ई मेल-
womenobserver@gmail.com

वर्ष : 24 अंक : 23 आर.एन.आई.नं. 63262/92 पो.रजि.नं. Jaipur City/208/2016-18 5 जून, 2016 वार्षिक शुल्क : 50 रु. एक प्रति 2.00 रु.

आंगनवाड़ी केन्द्रों को संस्कार निर्माण का केन्द्र बनाएं

जयपुर। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती अनिता भदेल ने उदयपुर जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड तथा सेवा मन्दिर के संयुक्त तत्वावधान में खुशी परियोजना का शुभारंभ किया।

विद्या भवन ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री ने दीप प्रज्वलन कर खुशी परियोजना के खुशी बाल विकास केन्द्र का शुभारंभ किया और खुशी परियोजना के डिस्प्ले बोर्ड का अनावरण किया। समारोह में उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, उदयपुर नगर निगम के महापौर चन्द्रसिंह कोठारी, हिन्दुस्तान जिंक की सीएसआर हैड श्रीमति नीलिमा खेतान, कुराबड़ प्रधान आस्मां खां, सेवा मन्दिर की मुख्य संचालक प्रियंका सिंह सहित हिन्दुस्तान जिंक के प्रशासनिक अधिकारी एवं सेवा मन्दिर के पदाधिकारी उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान जिंक ने राजस्थान सरकार से उदयपुर, राजसमंद, चित्तौडगढ़, भीलवाडा एवं अजमेर जिलों की 3055 आंगनवाड़ियों को सुदृढ़ बनाने के लिये तथा 6 वर्ष से कम की आयु के ग्रामीण बच्चों को सुपोषण, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए गोद लिया है। पहले चरण में उदयपुर के गिर्वा, झाडोल और उदयपुर शहर की 575 आंगनवाड़ियों केन्द्रों को सुदृढ बनाने के लिये हिन्दुस्तान जिंक ने सेवा मंदिर संस्था को अनुबंधित किया है।

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती अनिता भदेल ने इस अवसर पर सेवा मन्दिर एवं हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के प्रतिनिधियों, महिला एवं बाल विकास विभागीय के अधिकारियों, को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास गतिविधियों को सेवा के माध्यम से पुण्यार्जन का कार्य बताया और इसके लिए सभी संस्थाओं, अधिकारियों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सराहना की।

उन्होंने भारतीय संस्कृति के अनुरूप कार्य संस्कृति को अपनाने पर जोर दिया और कहा कि कर्म को ही सेवा, पूजा एवं धर्म मानकर अपनाने की आवश्यकता है। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने पन्नाधाय और हाड़ी रानी के बलिदान का जिक्र किया और कहा कि समाज और देश के लिए जो लोग सेवा एवं त्याग करते हैं वे ही इतिहास में अमर होते हैं। आज जरूरत इस बात की है कि बुराइयों से बचते हुए संस्कारों को अधिक से अधिक गहराई तक आत्मसात करें।

उदयपुर जिले में खुशी परियोजना का शुभारंभ

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री ने बताया कि सुपरवाईजर के 50 फीसदी पद आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से भरे जाएंगे। इसके लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का दस वर्ष का अनुभव और ग्रेज्युएशन जरूरी होगा। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे इसका लाभ लें।

उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान जिंक के खुशी अभियान से निश्चित तौर पर आगंनवाड़ी के बच्चों के स्वास्थ्य और उनमें गुणात्मक सुधार आएगा एवं खुशी बाल विकास केन्द्र सामुदायिक गतिविधियों का केन्द्र बनकर उभरेंगे।

उन्होंने हिन्दुस्तान जिंक के खुशी कार्यक्रम के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पन्नाधाय की तरह आंगनवाड़ी के प्रत्येक बच्चे की देखभाल करें। उन्होंने सभी बच्चों के प्रति समान मातृत्व भाव रखने का आह्वान करते हुए आंगनवाड़ी सहायिकाओं से अपनी पूर्ण जिम्मेदारी निभाते हुए बच्चों के स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सुपोषण को सुनिश्चित करने को कहा।

इस अवसर पर हिन्दुस्तान जिंक के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर स्मेल्टर्स विकास शर्मा ने समाज, राज्य और राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका से गति प्रदान करने का आव्हान करते हुए हिन्दुस्तान जिंक द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, कृषि, महिला सशक्तिकरण जैसे सभी क्षेत्रो में प्रतिबद्धता दोहराई।

हिन्दुस्तान जिंक के हेड कॉरपोरेट कम्यूनिकेशन एवं खुशी अभियान के फाउण्डर पवन कौशिक ने बताया कि खुशी अभियान के माध्यम से न सिर्फ हिन्दुस्तान जिंक ग्रामीण बच्चों के स्वास्थ्य शिक्षा व पोषाहार में परिवर्तन लाएगा बल्कि वंचित बच्चों के प्रति संपूर्ण भारत में जागरूकता भी पैदा कर रहा है। सोशल मीडिया पर खुशी अभियान वंचित बच्चों की आवाज बन कर उभरा है जिससे लाखों लोग जुड़े हैं।

सेवा मंदिर की मुख्य संचालक प्रियंका सिंह ने परियोजना के उद्देश्यों एवं क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों के बारे में बताया। आभार प्रदर्शन नंदलाल मेघवाल ने किया। इस मौके पर महिला अधिकारिता विभाग की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती रश्मि कौशिश एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

किरण बेदी का पुलिस अधिकारी से उपराज्यपाल तक का सफर

पुड्डुचेरी। देश की पहली महिला आईपीएस के रूप में एक सख्त एवं अनुशासनित पुलिस अधिकारी की छवि रखने वाली किरण बेदी ने केन्द्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी के उपराज्यपाल की कमान संभाली है।

नौ जून 1949 को अमृतसर की एक पंजाबी व्यवसायी परिवार में जन्मी सुश्री बेदी प्रकाश लाल पेश्वारिया और प्रेमलता की दूसरी संतान हैं। उन्होंने अमृतसर के गर्वनमेंट कॉलेज फोर वुमेन से अंग्रेजी विषय में स्नातक किया तथा पंजाब विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की। उन्होंने 16 जुलाई 1972 को मसूरी में नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन में पुलिस प्रशिक्षण शुरू किया। वह 80 पुरूषों के बैच में इकलौती महिला थी, जो बाद में पहली महिला आईपीएस अधिकारी बनीं। सुश्री बेदी ने दिल्ली के तिहाड़ जेल में कई सुधार किये, जिसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें प्रशंसा मिली और वर्ष 1994 में उन्होंने रमन मैग्सेसे अवार्ड से सम्मानित किया गया। वह संयुक्त राष्ट्र के महासचिव की पुलिस सलाहकार नियुक्त होने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। सुश्री बेदी ने कई पुस्तकें लिखीं और टेलीविजन की दुनिया में भी कदम रखा। उन्होंने वर्ष 2008-11 के दौरान 'आप की कचहरी' नामक कार्यक्रम होस्ट किया। हालांकि राजनीति में उनकी पारी नाकाम रही। सुश्री बेदी दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुई थी और पार्टी ने उन्हें मुख्यमंत्री के चेहरे के तौर पर पेश किया था। सुश्री बेदी को चुनाव में न तो खुद ही जीत मिली और न ही वह दिल्ली में वापसी की कोशिशों में लगी भाजपा की नैया को पार लगा पायीं। इससे पहले वह जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार के खिलाफ काम करने वाले संगठन 'इंडिया अगेन्स्ट करप्शन' में अरविंद केजरीवाल के साथ थीं।

पिंकसिटी प्रेस क्लब की कार्यकारणी एवं मीडिया कर्मियों ने

दूधाला जोहड़ा के खुदाई कार्य पर किया श्रमदान

जयपुर। मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के तहत जयपुर जिले की आमेर पंचायत समिति के सिरोही गांव में दूधाला का जोहड़ा के खुदाई कार्य पर जिला कलक्टर सिद्धार्थ महाजन पिंकसिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह राठौड़, महासचिव मुकेश चौधरी, उपाध्यक्ष राहुल गौतम, कार्यक्रम संयोजक रामेन्दर सिंह सोलंकी, कार्यकारणी के सदस्य मयंक शर्मा, गिरधारी पारीक, पवन पारीक एवं पूर्व अध्यक्ष नीरज मेहरा, अजय मिश्रा, लीलाधर कुमावत सहित अन्य मीडियाकर्मियों, सतीष पूनिया, आमेर पंचायत समिति के प्रधान सीताराम शर्मा, स्थानीय सरपंच श्रीमती ललिता देवी गुर्जर, उपखण्ड अधिकारी बीरबल सिंह, विकास अधिकारी सुरेन्द्र सिंह राठौड़, जिला सूचना एवं जन संपर्क विभाग के उप निदेशक रूपसिंह कविया व अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों एवं ग्रामीणजनों ने भारी उत्साह से श्रमदान कर आमजन को इस अभियान से जुड़कर वर्षा जल की एक-एक बूंद का संरक्षण करने का सन्देश दिया।

पिंकसिटी प्रेस क्लब जयपुर से आये कलमकारों द्वारा जोहड़े की गैंती फावडे से खुदाई कर तगारियों से मिट्टी डालने का जज्बा देखते ही बनता था, ऐसा लग रहा था मानों वे अपने घर में श्रमदान कर रहे हों।

इस अवसर पर जिला कलक्टर सिद्धार्थ महाजन ने पिंकसिटी प्रेस क्लब की कार्यकारणी एवं मीडियाकर्मियों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा वर्षा के जल संरक्षण हेतु चलाये गये मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान में सिरोही गांव आकर श्रमदान करने से समाज के लोगों को अभियान से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी के लिए पर्याप्त जल की उपलब्धता हेतु हम सबको मिलकर पानी की एक-एक बूंद को बचाने के लिए संकल्पबद्धता के प्रयास करने होंगे।

पिंकसिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष विरेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे की पहल पर राज्य में प्रारंभ किये गये मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान जल संरक्षण के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जयपुर जिले में जनप्रतिनिधियों, सेना, पुलिस, अधिकारियों व कर्मचारियों, स्वयं सेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, उद्यमियों, मीडियाकर्मियों सहित आमजन को इस अभियान से जोड़कर जल संरक्षण के लिए सकारात्मक प्रयास किये जा रहे हैं जो सराहनीय हैं। सतीष पूनिया ने कहा कि मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने प्रदेश में मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान की शुरूआत कर जल संरक्षण की अनुठी पहल की है।

यहां से ईश्वर तो है बहुत दूर, चलो ऐसा करें किसी बेसहारा का सहारा तो बनें।

36 वर्षों से दृष्टि बाधितों की सेवा में

सतत प्रयत्नशील

लुई-ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान

एच-32, बढ़ारणा, टेलीकॉम ट्रेनिंग सेन्टर के पीछे,
वाया रोड नं. 14, वी.के.आई., जयपुर-302013
दूरभाष: 0141- 4023328.

:प्रवृत्तियां:

- **ब्लाइंड रिलीफ सेंटर**
- **आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र**
- **कम्प्यूटर प्रशिक्षण एकांश**
- **ब्रेल लायब्रेरी**

खाटू धाम में लगाया कल्प वृक्ष

सरपंच के सहयोग से लगेंगे ग्यारह हजार पौधे

जयपुर। श्री कल्पतरु संस्थान की और से प्रसिद्ध खाटूश्यामजी में वृक्षारोपण महाअभियान की शुरुआत हुई।

अभियान का शुभारम्भ युवा नेता पवन पुजारी व सरपंच ऋतू पुजारी ने कल्प वृक्ष का जोड़ा लगाकर की। युवा नेता पुजारी ने बताया की यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए ग्रामपंचायत और श्री कल्पतरु संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में यह निर्णय लिया गया है की आगामी जुलाई माह में मण्डा रोड पर ग्याहरा हजार पोधे लगाए जाएंगे।

सरपंच ऋतू पुजारी ने संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा की अभियान के तहत लगाए जानें वाले पौधों की देखरेख पंचायत करेगी। अभियान के तहत नीम, पीपल, बरगद, गूलर, खेजड़ी जैसे पोधे लगाए जायेंगे।

सम्पादकीय

नारी शिक्षा का महत्व

नारी समाज का अहम हिस्सा हैं। समाज के निर्माण में नारी का विशेष स्थान रहा हैं। प्राचीन समय में नारी को पूजा जाता था उन्हें देवी का दर्जा दिया जाता था। उसे पुरूषों के सामान ही माना गया हैं। हर काम में नारी पुरूषों के समान ही भागीदार रही हैं, फिर भी आज के दौर में महिला की दशा दयनीय बनी हुई हैं। यह पुरूष प्रधान देश, देश की बेटी को दबाता हैं। नारी तो सिर्फ आदर का एक नाम ही रह गयी हैं, पुरूषों ने नारी को दासी बनाकर रखा हैं यहां तक की उसे शिक्षा के अधिकार से भी वंचित कर दिया। जिसके कारण एक स्त्री का वजूद खोने लगा हैं। औरत को चार दीवारी के अंदर रहने के लिए मज़बूर कर दिया। इस जीवन रूपी रथ के नारी और पुरूष दो पहियों की तरह हैं। अगर एक पहिया भी कमज़ोर होता हैं तो यह जीवन रूपी रथ वहीं खड़ा रह जाएगा, इसलिए महिला का शिक्षित होना जरूरी हैं ताकि गाड़ी सही तरीक़े से चलती रहें। अगर नारी पढ़ी लिखी होगी तो वो समाज के कार्यो में योगदान दे सकती हैं। परन्तु बदलते वक्त ने सब कुछ बदल दिया स्त्री को शिक्षा के अधिकार से वंचित होना पड़ा। स्त्री पढ़ेगी तो वो अपने पति के काम में अपना योगदान दे सकेगी, परिवार को सुचारू रूप से चला पाएगी। उसे दूसरों पर आश्रित नहीं रहना पड़ेगा और अपने कर्तव्यों और अधिकारों के प्रति भी सजग रहेगी। एक नारी अपने जीवन में 3 अहम भूमिका निभाती हैं। एक अच्छी बेटी, एक अच्छी पत्नी और एक अच्छी माँ और यह तीनों हिस्सें उसकी जीवन में अलग-अलग भूमिका निभाते हैं और एक बेटी, पत्नी और एक मां उनके लिए कुछ करें इन सब की उम्मीद रखतें हैं। पर इन सब बातों के लिए ज़रूरी है एक नारी का शिक्षित होना कई बार पुरूष रात को क्लब जाते हैं नाईट पार्टी में जाते हैं समय बर्बाद करते हैं। अगर उनकी पत्नी शिक्षित होगी तो वो ऐसा नही करेंगे बल्कि सारा समय अपनी वाइफको देंगे और उनसे सब बातें शेयर भी करेंगे अगर स्त्री पर होने वाले अत्याचारों को रोकना हैं तो उसे शिक्षित करना पड़ेगा। जहां एक और आज नारी का एक वर्ग शिक्षा ग्रहण कर देश की बुलंदियों को छु रहा हैं, वहीं दूसरा वर्ग शिक्षा से कोसों दूर बैठा हैं। हर वर्ष हम महिला दिवस बड़ी धूमधाम के साथ मनाते हैं लेकिन सच में हमारे देश में नारी को वो उच्च स्थान नहीं मिला हैं जो उसे मिलना चाहिए। देश का नारी वर्ग तभी खुश हो सकता हैं जब नारी का एक अशिक्षित भाग भी शिक्षित होगा और सही मायनों में उसी दिन ही महिला दिवस होगा, जिस दिन देश की हर नारी शिक्षित होगी। घर के चूल्हे चौके से निकल कर अपनी एक अलग पहचान बनाएगी।

पुरूष औरत को शिक्षा से वंचित रखकर उसे उसके अधिकारों और अपने अस्तित्व से वंचित रखना चाहता हैं की कहीं औरत उसके बराबर न पहुंच जाएं। वह नारी को घर और घर के कामकाज तक ही रखना चाहता है जो की गलत हैं। प्राचीन समय से ही लोगों की यह धारणा हैं की नारी पढ़ कर क्या करेंगी नौकरी तो करनी नहीं हैं। न कोई नेता बनना हैं इसलिए गृहस्थी के काम में ही अपना ध्यान लगाएं। समाज की यही धारणा आज भी प्रचलित हैं, जिसके कारण आज भी लोग अपनी बेटियों को स्कूल भेजने की बजाए गृहस्थी के कामों को करवा रहें हैं। राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी जैसे अनेक समाज सुधारकों ने नारी को उचित स्थान दिलाने के लिए भरसक प्रयास किए, लेकिन आज भी जीवन के हर क्षेत्र में उनके साथ भेदभाव के किया जा रहा हैं। किसी न किसी रूप में नारी का शैक्षणिक स्तर पर शोषण किया जा रहा है। महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार और छेड़छाड़, घरों, सड़कों, कार्यालयों सभी स्थानों पर देखी जा सकती है। बलात्कार, दहेज उत्पीड़न, हत्या आदि के मामले हर रोज अखबारों में छपते रहते हैं। बाल-विवाह की न जाने कितनी बच्चियां शिकार होती हैं।

शैक्षणिक शोषण के अन्तर्गत बेटियों को स्कूल भेजने की जगह उनसे घर के काम करवाना, बेटी को पराया धन मानना, बेटे और बेटी में अंतर करके बेटी को शिक्षा से वंचित कर देना इन सब मानसिकताओं के कारण लेकर नारी का शोषण होता आया हैं। लेकिन सच तो यह है कि एक शिक्षित नारी ही अपने परिवार की अशिक्षित नारियों को पढ़ाकर अपने ज्ञान व विकसित क्षमता का लाभ पूरे परिवार को दे सकती हैं। शिक्षा के कारण ही नारी सशक्त और आत्मनिर्भर बनकर अपने व्यक्तित्व का उचित रूप से विकास कर सकती है, परन्तु आज नारी क्षेत्र की मुख्य बाधाएँ हैं- महिलाओं का अशिक्षित होना, अधिकारों के प्रति उदासहीनता, सामाजिक कुरीतियां तथा पुरुषों का महिलाओं पर स्वामित्व इन सभी समस्याओं से छुटकारा एक नारी पाना चाहती हैं तो उसका एकमात्र साधन हैं शिक्षा। वर्तमान समय में यह महसूस किया जा रहा है कि नारी शिक्षा को शिक्षा दिलवाने में ठोस कदम उठाने होंगे तभी समान विकास हो पायेगा। इसलिए नारी-शिक्षा की दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहें हैं। आज भारत में लड़कियों के लिए अनेक विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय खोले जा रहें हैं ताकि नारी भी शिक्षा ग्रहण कर सके। महिलाओं को शिक्षित बनाने का वास्तविक अर्थ हैं उसे प्रगतिशील और सभ्य बनाना, ताकि उसमें तर्क शक्ति का विकास हो सके। यदि नारी शिक्षित होगी तो वह अपने परिवार को ज्यादा अच्छी तरह से चला सकेगी।

शराबबंदी एवं सशक्त लोकपाल विधेयक के लिए छात्राओं का हस्ताक्षर अभियान

जयपुर। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के कार्यकारी प्रधान सत्यव्रत सामवेदी के आह्वान पर राजस्थान में पूर्ण शराबबंदी एवं सशक्त लोकपाल विधेयक के लिए हस्ताक्षर अभियान प्रारंभ हो गया है। राजस्थान में शराबबंदी और सशक्त लोकपाल विधेयक के लिए एक करोड़ महिला स्नातकों एवं कॉलेज छात्राओं एवं एक करोड़ अन्य मतदाताओं का हस्ताक्षर अभियान प्रारंभ किया जा चुका है। आर्य समाज एवं आर्य महिला समाज हस्ताक्षर अभियान में जुट गये हैं।

इस हस्ताक्षर अभियान के अंतर्गत आर्य महिला समाज राजापार्क की प्रधान प्रो. यशोदा सक्सेना ने स्नातक एवं कॉलेज छात्राओं का हस्ताक्षर अभियान प्रारंभ कर दिया और तीन हजार छात्राओं के हस्ताक्षरों से युक्त ज्ञापन नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे को भेजा है। इस ज्ञापन में छात्राओं ने मांग की है कि राजस्थान में तत्काल शराबबंदी लागू की जाए क्योंकि महिलाओं के उत्पीडन का मूल कारण शराब है। इसी शराब के कारण लाखों परिवार नष्ट हो जाते हैं, गरीब किसान और मजदूर शराब पीकर काल के गाल में समा जाते हैं, परिवार भूखे मरते हैं और उनके बच्चे अशिक्षित रह जाते हैं। शराब के कारण ही महिलाओं का परिवारों में उत्पीडन होता है और उनकी हत्याएं होती हैं। शराबी के उपचार में गरीब परिवार उजड़ जाते हैं। किसान और मजदूरों की उत्पादन क्षमता कम हो जाती है और अपराध बढ़ जाते हैं। सड़क दुर्घटनाओं में लाखों लोग मर जाते हैं। राजस्थान में आबकारी से 6000 करोड़ रुपया राजस्व के रूप में प्राप्त होता है और गरीब जनता के 60,000 करोड़ रुपए खर्च हो जाते हैं। अगर शराबबंदी होती तो गरीब किसान और मजदूर 60,000 करोड़ रुपए में अपने परिवारों का पालन-पोषण करते और उनकी क्रय शक्ति बढ़ जाती।

साठ फीसदी लड़कियां 19 साल में बन जाती हैं मां

नयी दिल्ली। आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना में 28 प्रतिशत लड़कियों का विवाह 18 वर्ष की उम्र से पहले हो जाता है और इनमें से 59 प्रतिशत लड़कियां 19 साल में मां बन जाती हैं।

यह खुलासा किशोर सशक्तिकरण के लिए काम करने वाली संस्था यंग लाइव्स इंडिया और बाल निवेश निधि प्रतिष्ठान (सीआईएफएफ) तथा इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिसर्च ऑन वुमेन (आईसीआरडब्लु) द्वारा 2013-14 के दौरान कराए गए एक सर्वेक्षण में हुआ है। हाल ही में इन संगठनों ने यहां बाल विवाह और किशोर गर्भावस्था को नियंत्रित करने को लेकर एक गोष्ठी आयोजित की थी और उसमें ये आंकड़े पेश किए गए हैं।

सर्वेक्षण के अनुसार इन दोनों राज्यों में 28 प्रतिशत लड़कियां 18 वर्ष की उम्र से पहले विवाह कर रही हैं जबकि महज एक प्रतिशत लड़के 18 साल से पहले विवाह करते हैं। विवाहित लड़कियों में 59 फीसदी 19 साल की उम्र तक मां बन जाती हैं। सर्वे में कहा गया है कि जो लड़कियां 15 साल की उम्र तक स्कूल छोड़ देती हैं उनमें ज्यादतर 18 वर्ष की उम्र से पहले विवाह कर लेती है।

गरीब घरों की तुलना में अत्यधिक गरीब घरों की दो गुना लड़कियां समय से पहले स्कूल छोड़ देती हैं और 18 साल से पहले विवाह कर लेती हैं।

राजस्थान उत्पादकता परिषद के त्रिवार्षिक चुनाव

जयपुर। राजस्थान राज्य उत्पादकता परिषद के नव निर्वाचित संचालक मण्डल की बैठक में सम्पन्न हुए त्रिवार्षिक चुनावों में डॉ. के. एल. जैन अध्यक्ष एवं उत्तम चन्द जैन मानद महासचिव निर्विरोध निर्वाचित हुए। अन्य निर्वाचित पदाधिकारियों में पी. डी. डांडिया वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्रम आयुक्त राजस्थान, मुख्य निरीक्षक कारखाना एण्ड बायलर्स, बाबूलाल शर्मा, पी. एल. मेहता प्रतिनिधी जे. के. लक्ष्मी सीमेन्ट एवं बी. के. अरोडा प्रतिनिधी जे. के. व्हाइट सीमेंट उपाध्यक्ष तथा अमर चन्द छाबडा मानद कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। सर्वश्री जे. सी. शर्मा, वी. के. शर्मा, एन. के. जैन एवं ज्ञान चन्द जैन, मानद सचिव एवं सर्वश्री पुरूषोतमष्मर्मा, आर. सी. सक्सेना, श्रीमती चारू गुप्ता एवं जगतपाल सिंह - दीवान सिंह एण्ड सन्स संयुक्त सचिव के पदों पर निर्वाचित हुए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक श्रीमती सुधा बहल द्वारा श्रीराम ऑफसैट, जोरावरसिंह गेट, जयपुर में मुद्रित कराकर 8/141 मालवीय नगर, जयपुर-302017 से प्रकाशित।
सह सम्पादक - पुनीत बहल। मोबाईल : 08559873580, ई मेल : womenobserver@gmail.com

कठोर परिश्रम और दृढ़ इच्छा शक्ति से मिलेगा लक्ष्य :राज्यवर्धन सिंह

जयपुर। केन्द्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने एस.सी. समाज के आई.ए.एस. में सफल अभ्यर्थियों के अभिनन्दन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में हर कार्य के प्रति सजग रहना चाहिए। जिन्होंने अपने जीवन में संघर्ष किया है उन्होंने बहुत कुछ पाया है। कर्नल राठौड़ ने कहा कि यदि किसी कार्य के प्रति मन में लगन और दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो बड़े से बड़ा लक्ष्य भी प्राप्त किया जा सकता है।

इस अवसर पर कर्नल राठौड़ ने बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर के जीवन संघर्ष के बारे में बताते हुए कहा की उन्होंने जीवन में संघर्ष किया और साथ ही शिक्षा के साथ साथ आगे की सोच भी रखी।

कर्नल राठौड़ ने कहा की बेटियों के आगे बढ़ने से देश को गर्व होता है। कोई भी कार्य आसान नहीं होता, लेकिन दृढ़ इच्छा शक्ति से हर कार्य में सफलता पाई जा सकती है। जीवन में चुनौती को सकारात्मक रूप से लिया जाना चाहिए।

कर्नल राठौड़ ने खिलाड़ी के रूप में अपने अनुभवों और संघर्षों को साझा किया। उन्होंने इस अवसर पर आई.ए.एस. टॉपर टीना डाबी व समाज के अन्य सफल अभ्यर्थियों को उनकी सफलता के लिए बधाई देते हुए उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में टीना डाबी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में टीना डाबी के माता पिता भी सम्मिलित हुए।

मन की बात में पीएम मोदी ने की जल अभियान की सराहना

देश भर में लागू होगा राजस्थान का मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान

जयपुर। राजस्थान को जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे की पहल पर राज्य सरकार द्वारा जनसहभागिता से चलाया जा रहा, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान, अब पूरे देश के लिए मॉडल बनेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान में जल प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों को अन्य राज्यों में भी लागू करने के संबंध में नीती आयोग को निर्देश दिये हैं।

प्रधानमंत्री ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के दौरान इस कार्यक्रम की सराहना भी की। उन्होंने पिछले दिनों दिल्ली में राजस्थान सहित सूखा

प्रभावित 11 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ हुई व्यापक चर्चा का जिक्र करते हुए पशुओं, पर्यावरण, सूखे से निपटने एवं जल प्रबन्धन के क्षेत्र में राजस्थान सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की मन की बात में मुक्तकंठ से सराहना की।

मोदी ने कार्यक्रम में जल संरक्षण, जल संचयन एवं जल सिंचन पर बल देते हुए देशवासियों से पानी की एक-एक बूंद बचाने का आह्वान किया। उन्होंने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान और गुजरात में पुराने जमाने की बावड़ियों को जल मंदिर के रूप में पुनर्जीवित करने का बड़ा अभियान चलाया जा रहा है। यह जल संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कार्य है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे के साथ एक सप्ताह पूर्व सूखे एवं जल प्रबन्धन के संदर्भ में बैठक के बाद भी ट्वीट कर मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान की सराहना की थी। अपने ट्वीट में मोदी ने इस योजना को जनहित में शानदार बताया था और कहा था कि राजस्थान में जनसहभागिता से जल संरक्षण के जो कार्य हो रहे हैं, उन्हें जल आंदोलन के रूप में खड़ा करने की जरूरत है। ट्वीट में उन्होंने नागौर के कुचामन कस्बे की ऐतिहासिक बावड़ी जैसी परम्परागत जल भंडारण संरचनाओं के पुनरूद्धार कार्यों की तारीफकी थी।

सिम्पल व्यास विप्र फाउण्डेशन आठवां वचन की प्रदेश प्रभारी मनोनीत

जयपुर। विप्र फाउण्डेशन के अभिनव आयाम आठवां वचन (बेटी बचाओ अभियान) में श्रीमती सिम्पल व्यास को राजस्थान (जोन 1) का प्रदेश प्रभारी मनोनीत किया गया है। विप्र फाउण्डेशन के प्रदेश सहसंयोजक विनोद अमन ने बताया कि राष्ट्रीय संयोजक सुशील ओझा की अनुशंसा पर आठवां वचन के राष्ट्रीय प्रभारी राजेन्द्र जोशी ने सिम्पल व्यास को आठवां वचन (बेटी बचाओ अभियान में) राजस्थान (जोन 1) का प्रदेश प्रभारी घोषित किया है। सिम्पल व्यास अब तक विप्र फाउण्डेशन की महिला मंच में प्रदेश सचिव थीं।

राऊत एसबीबीजे के नए मुख्य महाप्रबंधक

जयपुर। ए.सी.राऊत ने एसबीबीजे में मुख्य महाप्रबंधक (कॉमर्शियल बैंकिंग) का पदभार ग्रहण कर लिया है । इससे पूर्व राऊत स्टेट बैंक ऑफबीकानेर एण्ड जयपुर में महाप्रबंधक, मानव संसाधन एवं सामान्य प्रशासन के पद पर कार्यरत थे। निगमित साख के एक अनुभवी बैंकर राऊत ने स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रुप में 18.07.1983 को अपनी बैंकिंग सेवा की शुरुआत की। अपने लम्बे बैंकिंग कार्यकाल के दौरान उन्होंने बहुत से महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों को संभाला।

मगरमच्छ के जबड़े से अपने लाड़ले को छुडा लाई एक मां

शिवपुरी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में एक मां अपने बच्चे को खूंखार मगरमच्छ के जबडे से छुडा लाई। बच्चे को इलाज के लिए जिला अस्पताल में लाए जाने के बाद दो दिन पुराना ये मामला सामने आया।

जिले के पिछोर अनुविभाग के मायापुर थाना क्षेत्र के ग्राम महुआखेडी निवासी महिला गीता और उसके परिवार वाले कल शाम अपने 12 साल के बच्चे कमलेश गुर्जर को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। बच्चे की हालत में अब सुधार है। महिला गीता ने इस दौरान संवाददाताओं को बताया कि शनिवार की शाम वह अपने बच्चे को लेकर गांव के पास ऐर नदी के किनारे अपने मवेशी चराने ले गई थी। इसी दौरान बच्चे को प्यास लगने पर वह नदी किनारे पानी पीने गया। उसने जैसे ही पानी पीने के लिए नदी में हाथ डाले, वैसे ही वहां घात लगाए बैठे मगरमच्छ ने उसके हाथ जबडे में दबा लिए और उसे नदी में खींचकर ले जाने लगा। बच्चे की चीख सुनकर मां फौरन वहां पहुंची और पास पडे पत्थर उठाकर मगरमच्छ पर लगातार हमला शुरू कर दिया। पत्थरों से जैसे ही मगरमच्छ की बच्चे पर पकड कमजोर हुई, वैसे ही मां ने नदी में घुसकर अपने बच्चे को उसके जबडे से छुडा लिया। गीता ने बताया कि इसके बाद वह अपने बच्चे को पिछोर स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां से कल शाम बच्चे को शिवपुरी जिला अस्पताल लाया गया।

बच्चों को संस्कार देना माता पिता का पहला कर्तव्य-विनोद जैन कोटखावदा

धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का हुआ समापन

जयपुर। मानव, समाजसेवा एवं धार्मिक क्षेत्र में कार्यरत दिगम्बर जैन महिलाओं की संस्था दिगम्बर जैन महासमिति के सांगानेर महिला संभाग के तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर के समापन समारोह का आयोजन हुआ। संभाग अध्यक्ष श्रीमती सरोज पाण्डया व महामंत्री अंजना जैन ने बताया कि श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी सांगानेर के प्रांगण में आयोजित इस समारोह में मंगलाचरण के बाद चित्र अनावरण समाजसेविका श्रीमति चन्द्र कान्ता सिंघल धर्म पत्नी पदम चन्द सिंघल तथा दीप प्रज्वलन समाजसेविका श्रीमति आशा गोधा ने किया।

समारोह में सम्माननीय अतिथि क` रूप में राजस्थान जैन सभा के संयुक्त मंत्री विनोद जैन कोटखावदा,महासमिति महिला अंचल राजस्थान की संस्थापक अध्यक्ष पूर्व पार्षद श्रीमती शीला डोडया,महिला अंचल अध्यक्ष डॉ. वन्दना जैन, महामंत्री शालिनी बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष सुशीला छाबडा तथा कैपिटल संयुक्त संभाग की अध्यक्ष श्रीमति विद्युत लुहाडिया विशेष रूप से उपस्थित थी।